प्रतिदर्श प्रश्न पत्र विषय- हिंदी (आधार)2020- 21 (विषय कोड- 302)
कक्षा- बारहवीं

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देश: **निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए:**

- **इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और 'ब'| खंड 'अ' में वस्तुपरक** तथा **खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं|**
- **खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं| दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए|**
- **खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं| दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए|**

	खंड – अ वस्तुपरक-प्रश्न	
	अपठित गद्यांश	**(10)**
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है। मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है। इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है। भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्णबंदी लागू की गई और इसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया। लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे हैं, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है। लेकिन असली चिंता बच्चों और बुजुर्गों की हो आती है। इस मामले में ज़्यादातर नागरिकों ने जागरुकता और सहजबोध की वजह से जरूरी सावधानी बरती है। लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई हैं। मसलन आर्थिक गतिविधियां जिस बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उनके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वहीं उनके साथ हुआ उल्टा। नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौवत आ गई। इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा, यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है। यों इसमें किए गए वैकल्पिक इंतज़ामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गयी है। स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों को वेतन की चिंता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिंता उन्हें सता रही है। हालांकि एक ख़ासी तादाद उन बच्चों की है, जो लैपटॉप या स्मार्ट फोन के साथ जीते हैं, लेकिन दूसरी ओर बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी हैं, जिन्हें कम्प्युटर चलाना नहीं आता। उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की। सबने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा। इस तरह फिलहाल जो सीमा है, उसमें पढ़ाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है। (जनसत्ता से साभार)	**10x1 =10**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	उपरोक्त गदयांश किस विषयवस्तु पर आधारित है? I. बेरोजगारी| II. शिक्षा की समस्या|	1

	III. आर्थिक संकट| IV. महामारी का प्रभाव|	
(ii)	पूर्णबन्दी लागू क्यों की गई? I. संक्रमण को रोकने के लिए| II. लोगों की आवा-जाही रोकने के लिए| III. नियम लागू करने के लिए| IV. लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण|	1
(iii)	हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिंता क्यों है? I. कमजोर और अक्षम होने के कारण| II. प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण| III. अधिक बीमार रहने के कारण| IV. बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण|	1
(iv)	स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रहीहै? I. प्राइवेट स्कूल के दवाब के कारण| II. शिक्षा जारी रखने के लिए| III. बच्चों की चिंता के कारण| IV. शिक्षकों के वेतन के लिए|	1
(v)	ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है? I. शिक्षक की अकुशलता के कारण| II. तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना| III. साधन नहीं होने के कारण| IV. अभिभावकों की रुचि नहीं होना|	1
(vi)	शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा? I. ऑनलाइन पढ़ाने की मजबूरी के कारण| II. अपनी सैलरी के कारण| III. बच्चों की चिंता के कारण| IV. अभिभावकों के भय से|	1
(vii)	महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे? I. बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा| II. अपनी नौकरी की चिंता द्वारा| III. अपनी सैलरी की चिंता द्वारा| IV. तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा|	1
(viii)	जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते हैं? I. जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना| II. जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना| III. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना| IV. जीवन में आराम नहीं होना|	1
(ix)	भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है?	1

	I. लोग अधिक होने से| II. अनपढ़ होने से| III. नियम नहीं मानने से| IV. नियम-कानून की समझ नहीं होने से|	
(x)	लोगों के जीवन में उहापोह की स्थिति कैसे आ गई? I. महामारी आ जाने से| II. आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से| III. नौकरी चले जाने से| IV. तन्ख्वाह नहीं मिलने से|	1
	अथवा	
	गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:- एकांत ढूँढने के कई सकारात्मक कारण हैं । एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं। यह उस इंसान की ख्वाइश भर नहीं, जिसे इस संसार में 'फेंक दिया गया' हो और वह फेंक दिये जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूंढ रहा हो। हम जो एकांत में होते हैं, वही वास्तव में होते हैं। एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है। अंग्रेजी का एक शब्द है–'आइसोनोफिलिया'। इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम। पर इस शब्द को गौर से समझें तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है। एकांत प्रेमी हमेशा ही अलगाव की अभेद्य दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरूरी नहीं। एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फंस चुका हो, ऐसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता। एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरूरी है। एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता। वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता। न ही आततायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है। अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं। वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वे इंसान से कम प्रेम करते हैं, बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं। बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गैंडे की सींग की तरह अकेले रहें। वे कहते हैं–'प्रत्येक जीव जन्तु के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए, किसी की भी हानि की कामना न करते हुए, अकेले चलो-फिरो, वैसे ही जैसे किसी गैंडे का सींग।' हक्सले 'एकांत के धर्म' या 'रिलीजन ऑफ सोलीट्यूड' की बात करते हैं। वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा, एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही अधिक झुकाव होगा; धर्म के क्षेत्र में एकांत, अंधविश्वासों, मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है। इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है। ज्यां पॉल सार्त्र इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं। उनका कहना है- 'ईश्वर एक अनुपस्थिति है। ईश्वर है इंसान का एकांत। क्या एकांत लोग इसलिए पसंद करते हैं कि वे किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं? क्या वे सामाजिक होने की अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं? वास्तव में एकांत एक दुधारी तलवार की तरह है। लोग क्या कहेंगे इसका डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है। यह बड़ी अजीब बात है, क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं, तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का अहसास होता है। इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं। (जनसत्ता से साभार)	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	

(i)	उपरोक्त गदयांश किस विषयवस्तु पर आधारित है? I. अकेलेपन पर। II. एकांत पर। III. जीवन पर। IV. अध्यात्म पर।	1
(ii)	एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है? I. परेशानी से भागने के लिए। II. आध्यात्मिक चिंतन के लिए। III. स्वयं को जानने के लिए। IV. अशांत मन को शांत करने के लिए।	1
(iii)	बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे? I. प्रकृति की सुंदरता के कारण। II. मनुष्य से घृणा के कारण। III. एकांत प्रेम के कारण। IV. अकेलेपन के कारण।	1
(iv)	दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है? I. संसार से प्रेम करके। II. सच्चे दोस्त बनाकर। III. संसार की वास्तविकता को समझ कर। IV. संसार से मुक्त होकर।	1
(v)	एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है? I. संसार से अलग होकर। II. भीड़ में नहीं रहकर। III. एकांत से प्रेम करके। IV. अकेले रहकर।	1
(vi)	गैंडे के सींग की क्या विशेषता होती है? I. वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता। II. वह सींग नहीं वरन सींग का अपररूप होता है। III. गैंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है। IV. अपनी दुनिया में मस्त रहना।	1
(vii)	धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है? I. समर्पण की भावना। II. पूजा और साधना। III. धर्मांधता से मुक्ति। IV. धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान।	1
(viii)	नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते है? I. नई खोज। II. नया अनुसंधान। III. नई संकल्पना। IV. नया सिद्धांत।	1
(ix)	ईश्वर एक अनुपस्थिति है– कैसे?	1

	I. ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते| II. ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होते| III. एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं| IV. ईश्वर होते ही नहीं हैं|	
(x)	एकांत में रहने का अर्थ है ? I. दोस्त नहीं बना सकना| II. संसार को जानने का अवसर मिलना| III. अपने प्रिय लोगों को जानने का अवसर मिलना| IV. संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना|	1
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** दूर-दूर से आते हैं घन लिपट शैल में छा जाते हैं मानव की ध्वनि सुनकर पल में गली-गली में मंडराते हैं जग में मधुर पुरातन परिचय श्याम घरों में घुस आते हैं, है ऐसी ही कथा मनोहर उन्हें देख गिरिवर गाते हैं! ममता का यह भीगा अंचल हम जग में फ़िर कब पाते हैं अश्रु छोड़ मानस को समझा इसीलिए विरही गाते हैं सुख-दुःख के मधु-कटु अनुभव को उठो हृदय, फुहियों से धो लो, तुम्हें बुलाने आया सावन, चलो-चलो अब बंधन खोलो पवन चला, पथ में हैं नदियाँ, उछल साथ में तुम भी हो लो प्रेम-पर्व में जगा पपीहा, तुम कल्याणी वाणी बोलो! आज दिवस कलरव बन आया, केलि बनी यह खड़ी निशा है; हेर-हेर अनुपम बूँदों को जगी झड़ी में दिशा-दिशा है! बूँद-बूँद बन उतर रही है यह मेरी कल्पना मनोहर, घटा नहीं प्रेमी मानस में प्रेम बस रहा उमड़-घुमड़ कर भ्रान्ति-भांति यह नहीं दामिनी, याद हुई बातें अवसर पर, तर्जन नहीं आज गूंजा है जड़-जग का गूंजा अभ्यंतर! इतने ऊँचे शैल-शिखर पर	**5x1= 5**

	कब से मूसलाधार झड़ी है; सूखे वसन, हिया भीगा है इसकी चिंता हमें पड़ी है! बोल सरोवर इस पावस में, आज तुम्हारा कवि क्या गाए, कह दे श्रृंग सरस रूचि अपनी, निर्झर यह क्या तान सुनाए; बाँह उठाकर मिलो शाल, ये दूर देश से झोंके आए रही झड़ी की बात कठिन यह, कौन हठीली को समझाए! अजब शोख यह बूँदा-बाँदी, पत्तों में घनश्याम बसा है झाँके इन बूँदों से तारे, इस रिमझिम में चाँद हँसा है! जिय कहता है मचल-मचलकर अपना बेड़ा पार करेंगे हिय कहता है, जागो लोचन, पत्थर को भी प्यार करेंगे॥ (केदारनाथ मिश्र 'प्रभात')	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	उपरोक्त काव्यांश का वर्ण्य-विषय क्या है? I. प्रकृति | II. बादल | III. पावस ऋतु | IV. जन-जीवन |	1
(ii)	कवि बार-बार किससे प्रश्न कर रहा है? I. बादल से| II. प्रकृति से| III. पहाड़ से| IV. नदी से|	1
(iii)	मानव की ध्वनि सुनकर पल में गली-गली में मँडराते हैं– पंक्ति में निहित अलंकार है? I. उपमा| II. उत्प्रेक्षा| III. मानवीकरण| IV. अनुप्रास|	1
(iv)	'सूखे वसन, हिया भीगा है' का अर्थ है ? I. पैर भीगे है किन्तु हाथ सूखे हैं। II. अभ्यन्तर हृदय भीग गया है किन्तु कपड़े सूखे हैं। III. तन ऊपर से भीग गया है किन्तु मन सूखा ही रह गया है। IV. मैदान भीगे हैं परन्तु पहाड़ों पर मूसलाधार वृष्टि हो रही है।	1
(v)	'केलि बनी यह खड़ी निशा है' का अर्थ है ?	1

	I. रजनी उपहास व क्रीड़ा कर रही है। II. राका केले के वृक्ष की भांति रास्ता रोके खड़ी है। III. रात्रि अपनी छटा के चरम पर पहुंच कर खड़ी है। IV. विभावरी फूलों के हार की भांति खड़े हो स्वागत कर रही है।	
	अथवा	
	पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:- मैं तो सांसों का पंथी हूं साथ आयु के चलता मेरे साथ सभी चलते हैं बादल भी, तूफान भी कलियां देखीं बहुत, फूल भी लतिकाएं भी तरु भी उपवन भी, वन भी, कानन भी घनी घाटियां, मरु भी टीले भी, गिरि-शृंग-तुंग भी नदियां भी, निर्झर भी कल्लोलिनियां, कुल्याएं भी देखे सरि-सागर भी इनके भीतर इनकी-सी ही प्रतिमाएं मुस्कातीं हर प्रतिमा की धड़कन में अनगिनत कलाएं गातीं अनदेखी इन आत्माओं से परिचय जनम-जनम का मेरे साथ सभी चलते हैं जाने भी, अनजान भी सूर्योदय के भीतर मेरे मन का सूर्योदय है किरणों की लय के भीतर मेरा आश्वस्त हृदय है मैं न सोचता कभी कौन आराध्य, किसे आराधूं किसे छोड़ दूं और किसे अपने जीवन में बांधूं दृग की खिड़की खुली हुई प्रिय मेरा झांकेगा ही मानस-पट तैयार, चित्र अपना वह आंकेगा ही अपनो को मैं देख रहा हूं अपने लघु दर्पण में मेरे साथ सभी चलते हैं प्रतिबिंबन, प्रतिमान भी दूर्वा की छाती पर जितने	

	चरण-चिह्न अंकित हैं उतने ही आंसू मेरे सादर उसको अर्पित हैं जितनी बार गगन को छूते उन्नत शिखर अचल के उतनी बार हृदय मेरा पथ में एकाकीपन मिलता वही गीत है हिय का पथ में सूनापन मिलता है वही पत्र है प्रिय का दोनों को पढ़ता हूं मैं दोनों को हृदय लगाता दोनों का सौरभ-कण लेकर फिर आगे बढ़ जाता मेरा रक्त, त्वचा यह मेरी और अस्थियां बोलें मेरे साथ सभी चलते हैं आदि और अवसान भी। (केदारनाथ मिश्र 'प्रभात')	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	साँसों का मुसाफिर किसे कहा गया है? I. कवि| II. मनुष्य| III. प्रकृति| IV. जीवन|	1
(ii)	देखे सरि-सागर भी– पंक्ति में 'सरि-सागर' का अर्थ है? I. समस्त सागर । II. सरिता-गागर। III. नदी-नीरनिधि। IV. सुर-सागर|	1
(iii)	'मन का सूर्योदय' से आप क्या समझते है? I. खिन्नता। II. प्रसन्नता। III. आसन्नता | IV. भिन्नता।|	1
(iv)	अपनों को मैं देख रहा हूँ अपने लघु दर्पण में– पंक्ति में लघु दर्पण किसे कहा गया है? I. हृदय| II. आँखें| III. मस्तिष्क| IV. जीवन|	1
(v)	जीवन में एकांत को कवि किस रूप में देखता है?	1

	I. हृदय का रूप| II. आँखों के सपने| III. लघुता के रूप में| IV. महानता के रूप में|	
प्रश्न संख्या	**कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन**	**अंक (5)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5x1=5**
(i)	किसी भी माध्यमों के लेखन के लिए किसे ध्यान में रखना होता है? I. माध्यमों को| II. लेखक को| III. जनता को| IV. बाजार को|	1
(ii)	आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है? I. अखबार| II. रेडियो| III. टेलीविजन| IV. सिनेमा|	1
(iii)	नेट साउंड किस माध्यम से संबन्धित है? I. इंटरनेट| II. टेलीविजन| III. रेडियो| IV. सिनेमा|	1
(iv)	हिन्दी में नेट पत्रकारिता का आरंभ हुआ...................... से? I. भास्कर| II. जागरण| III. वेब दुनिया| IV. प्रभा साक्षी|	1
(v)	समाचार लेखन के कितने ककार होते हैं? I. चार| II. पाँच| III. छह| IV. तीन|	1
प्रश्न स	**पाठ्य-पुस्तक**	**(10)**
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ| राम उठाइ अनुज उर लायऊ|| सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ| बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ|| मम हित लागि तजेहु पितु माता| सहेहु बिपिन हिम आतप बाता|| सो अनुराग कहाँ अब भाई| उठहु न सुनी मम बच बिकलाई||	**5x1=5**

	जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू| पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू|| सुत बित नारि भवन परिवारा| होहिं जाहिं जग बारहिं बारा|| अस बिचारि जियँ जागहु ताता| मिलइ न जगत सहोदर भ्राता|| जथा पंख बिनु खग अति दीना| मनि बिनु फनि करिबर कर हीना|| अस मम जिवन बंधु बिनु तोहि| जौं जड़ दैव जिआवै मोही||	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	राम लक्ष्मण के किस स्वभाव का स्मरण करते हैं? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. भाईचारा| II. कोमल| III. प्रेममयी| IV. सेवा-भाव|	1
(ii)	राम के अनुसार लक्ष्मण ने उनके हित के लिए क्या-क्या सहन किया? **सटीक** विकल्प छाँटिए:- I. जंगल में भूख, प्यास, कमज़ोरी| II. जंगल में सीता-हरण, युद्ध, शक्ति| III. जंगल में जाड़ा, ताप, आंधी-तूफ़ान| IV. जंगल में काँटे, जंगली-जानवर, कीट-पतंगे|	1
(iii)	इस संदर्भ में किस क्षति को राम ने बड़ी क्षति माना है? I. भार्या को खो देना| II. तात का ना आना| III. भ्राता को खो देना| IV. कपि का ना आना|	1
(iv)	लक्ष्मण की अनुपस्थिति में राम को अपना जीवन कैसा प्रतीत होता है? **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:- I. निरर्थक| II. अपमानित| III. लाचार| IV. कठोर|	1
(v)	राम यदि जानते कि वनागमन के क्या परिणाम होंगे, तब वे क्या नहीं करते? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. रावण से युद्ध न करते| II. लक्ष्मण को वन में साथ न लाते| III. माँ के वचन का पालन न करते| IV. पिता के वचन का पालन न करते|	1
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** इसी प्रकार स्वतंत्रता पर भी क्या कोई आपत्ति हो सकती है? गमनागमन की स्वाधीनता, जीवन तथा शारीरिक सुरक्षा की स्वाधीनता के अर्थों में शायद ही कोई 'स्वतंत्रता' का विरोध करे| इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औज़ार व सामग्री रखने के अधिकार जिससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सके, के अर्थ में भी 'स्वतंत्रता' पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती| तो फिर मनुष्य की शक्ति के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की भी स्वतंत्रता क्यों न प्रदान की जाए?	**5**

	जाति-प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता| 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है| यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है| उदाहरणार्थ, जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	दासता में कौन-सी अवधारणा सम्मिलित नहीं है? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. स्वाधीनता के साथ जीना| II. कानूनी पराधीनता का होना| III. इच्छा के विरुद्ध कार्य करना| IV. दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना|	1
(ii)	मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का तात्पर्य है: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. उसे शारीरिक स्वतंत्रता प्रदान की जाए| II. उसे अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाए| III. उसे अपनी मर्ज़ी से जाति के चयन का अधिकार मिले| IV. उसे शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार दिया जाए|	1
(iii)	जाति-प्रथा के पोषक यदि मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता दें, तब इसका क्या परिणाम होगा? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. दासता को बढ़ावा मिलेगा| II. स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा| III. कानूनी-पराधीनता बढ़ जाएगी| IV. लोकतांत्रिक मूल्य सुदृढ़ होंगे|	1
(iv)	'स्वतंत्रता' पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. इससे समाज में दासता समाप्त हो जाएगी| II. क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी लगती है| III. क्योंकि सभी को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है| IV. इसके साथ भी जातिवाद और शोषण की प्रक्रिया बनी रहती है|	1
(v)	जाति-प्रथा के पोषक से लेखक का क्या तात्पर्य है? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले| II. जातिगत भेदभाव को प्राथमिकता देने वाले| III. जातिगत भेदभाव के व्यवहार को समाप्ति देने वाले| IV. जाति को कानूनी मान्यता दिलाने की कोशिश करने वाले|	1
प्रश्न	**पूरक पाठ्य-पुस्तक**	**(10)**
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**10**
(i)	कहानी 'सिल्वर वैडिंग' में किशनदा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है? **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:-	1

	I. लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है| II. लेखक को मृत्यु का कारण पता है| III. लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है| IV. लेखक को मृत्यु से कोई अंतर नहीं पड़ता है|	
(ii)	"सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।" प्रस्तुत पंक्ति से तात्पर्य है: 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:- I. इस सभ्यता में राजा प्रजा की तरह सादगी से रहता था| II. इस सभ्यता में साधन बहुत थे जो देखने में आकर्षक थे| III. इस सभ्यता में सभी प्रकार के साधन थे किंतु दिखावा नहीं था| IV. इस सभ्यता में सभी लोग संपन्न थे और वे दिखावा नहीं करते थे|	1
(iii)	किशनदा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए थे| क्योंकि: कहानी 'सिल्वर वैडिंग' से **सही** विकल्प छाँटिए:- I. यशोधर बाबू की पत्नी किशनदा से नाराज़ थीं| II. क्योंकि यशोधर बाबू के घर में किशनदा के लिए स्थान का अभाव था| III. यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे| IV. किशनदा को यशोधर बाबू ने अपने घर में स्थान देना चाहा था जिसे किशनदा ने स्वीकार नहीं किया|	1
(iv)	'अतीत में दबे पाँव' पाठ के अनुसार- "सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था|" ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. सिंधु घाटी सभ्यता में सौंदर्य के प्रति चेतना अधिक थी| II. सिंधु घाटी सभ्यता में राजा से बड़ा स्थान लोगों के कार्यों को था| III. सिंधु घाटी सभ्यता में धर्म का महत्त्व न था, अतः समाज सर्वोपरि था| IV. सिंधु घाटी सभ्यता में अमीर-गरीब न थे, अतः समाज में समानता थी|	1
(v)	"टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगियों के अनछुए समयों के भी दस्तावेज़ होते हैं|" – 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के अनुसार इस कथन का भाव हो सकता है: **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:- I. ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं| II. ऐतिहासिक इमारतों, कला, खान-पान इत्यादि में सदा जीवंतता होती है| III. पुरातन इमारतों के अध्ययन मात्र से इतिहास की व्याख्या संभव हो पाती है| IV. इतिहास की समझ हेतु केवल सभ्यता और संस्कृति को जानना आवश्यक होता है|	1
(vi)	'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. अकेलापन डरावना है| II. अकेलापन उपयोगी है| III. अकेलापन अनावश्यक है| IV. अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है|	1
(vii)	'डायरी के पन्ने' पाठ की पंक्ति- "प्रकृति-प्रदत्त प्रजनन-शक्ति के उपयोग का अधिकार बच्चे पैदा करें या न करें अथवा कितने बच्चे पैदा करें- इस की स्वतंत्रता स्त्री से छीन कर हमारी विश्व-	1

	व्यवस्था ने न सिर्फ़ स्त्री को व्यक्तित्व-विकास के अनेक अवसरों से वंचित किया है बल्कि जनाधिक्य की समस्या भी पैदा की है|" इस कथन के **सटीक** औचित्य का चयन कीजिए:- I. नारियों की स्वतंत्रता के हनन से जनसंख्या वृद्धि की समस्या बढ़ी है| II. नारी की प्रजनन शक्ति ही उसके जीवन का सार है| III. शिक्षित और कामकाजी नारी को व्यक्तिगत निर्णय स्वतः लेने चाहिएँ| IV. प्रजनन जैसे संघर्षपूर्ण कार्य का निर्णय नारी स्वतः करे|	
(viii)	कहानी 'सिल्वर वैडिंग' के अनुसार- "यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं|" यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. किशनदा उन्हें भड़काते थे| II. पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी| III. पीढ़ी के अंतराल के कारण| IV. वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे|	1
(ix)	"काश, कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफ़सोस, ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला...।" 'डायरी के पन्ने' पाठ की पंक्ति में इस कथन का भाव है: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. एन.फ्रेंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी| II. एन.फ्रेंक अकेलेपन से त्रस्त थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था| III. एन.फ्रेंक एक तहखाने में कैद थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था| IV. एन.फ्रेंक सबके मज़ाक की पात्र थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था|	1
(x)	'जूझ' पाठ के अनुसार- "पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था|" क्योंकि: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था| II. दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है| III. लेखक का पढ़-लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था| IV. लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करे|	1
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(20)**
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:-** I. अचानक जब हमारी मेट्रो रूक गई II. मसूरी के रास्ते बस का खराब होना III. नदी किनारे बरसात में घिर जाना	**5**
प्रश्न 8.	कोरोना के बढ़ते मामले को ध्यान मे रखते हुए अपने कॉलोनी की सुरक्षा के लिए नियमित सेनीटाइज़ की मांग करते हुए अपने नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखिए| ***अथवा*** आपद स्थिति में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत की समस्या के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।	**5**
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**5**
(i)	कविता की रचना के लिए शब्द कितना आवश्यक है? ***अथवा*** कहानी में कथानक क्या है? उदाहरण देकर समझाइए।	3

(ii)	नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग कैसे है? ***अथवा*** कहानी की रचना में पात्रों की भूमिका स्पष्ट कीजिये|	2
प्रश्न 10.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**5**
(i)	विशेष लेखन को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये? ***अथवा*** फीचर को आत्मनिष्ठ लेखन कहने के कारणों को स्पष्ट कीजिये|	3
(ii)	संपादकीय लेखन क्या है? ***अथवा*** समाचार कैसे लिखा जाता है?	2
प्रश्न संख्या	**पाठ्य-पुस्तक**	**अंक (20)**
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	**6**
(i)	'कवितावली'- के कवितों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ थी|	3
(ii)	'कैमरे में बंद अपाहिज'- कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में प्रकट करें|	3
(iii)	'कविता के बहाने'- कविता के प्रतिपाद्य के बारे में अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत कीजिए|	3
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	**4**
(i)	'उषा'- कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है| कैसे?	2
(ii)	भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए:- जो मुझको बदनाम करें हैं काश वे इतना सोच सकें| मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं||	2
(iii)	बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे? 'एक गीत'- कविता के आधार पर लिखिए|	2
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	**6**
(i)	डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के भाषण के अंश 'श्रम विभाजन और जातिप्रथा' तथा 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' आपने पढ़े हैं| जातिप्रथा की समस्या के उन्मूलन का उपाय लोकतांत्रिक मूल्य हैं| सिद्ध कीजिए|	3
(ii)	पाठ 'काले मेघा पानी दे' तथा कहानी 'पहलवान की ढोलक' ग्रामीण जीवन को उकेरती हैं| दोनों पाठों की आँचलिक जीवन शैली पर विचार प्रस्तुत कीजिए|	3
(iii)	निबंध 'बाज़ार दर्शन' के मुख्य पात्र भगत जी और कहानी 'नमक' की नायिका सफ़िया बेगम के चरित्र के मानवीय गुणों में समानताएँ हैं| किन्हीं दो समानताओं को रेखांकित कीजिए|	3
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	**4**
(i)	लुट्टन पहलवान ढोलक क्यों बजाता था?	2
(ii)	बाज़ार के जादू के चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? 'बाज़ार दर्शन'- पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए|	2
(iii)	भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया?	2